दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 76 मुरादाबाद, 05 July 2023 (Wednesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

पीएम मोदी ने आतंकवाद का जिक्र कर चीन-पाकिस्तान पर साधा निशाना, कहा- इस पर दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद क्षेत्रीय कार्यों के लिए खतरा बना हुआ है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। हमें किसी भी अभिव्यक्ति में इसके खिलाफ लड़ाई करनी होगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार यानी आज शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वर्चुअल शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एससीओ के सम्मेलन को पीएम मोदी ने संबोधित किया उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्थिति एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर है। विवादों, तनावों और महामारी से घिरे विश्व में फर्टिलाइजर और ईंधन का मुहैया होना सभी देशों के लिए बड़ी चुनौती है। हमें यह फैसला करना होगा कि क्या हम अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। क्या एससीओ ऐसा संगठन है जो आगे के बदलावों के हिसाब से बदल रहा है। एससीओ में भाषा संबंधी परेशानियों को हटाने के लिए हम अपने प्लेटफॉर्म को सबके साथ साझा करने में रुचि रखते हैं। आगे के सुधारों को लागू करने में एससीओ बड़ा प्लेटफॉर्म बन सकता है।

ईरान भी एससीओ की बैठक में हुआ शामिल

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि ईरान आज एससीओ की बैठक में शामिल है। साथ ही हम बेलारूस को एससीओ में शामिल करने के लिए मेमोरेंडम में हस्ताक्षर का स्वागत करते हैं। यह आवश्यक है कि एससीओ का फुल फोकस मध्य एशिया के देशों के हितों और आकांक्षाओं पर केंद्रित रहे।

चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई जरूरी

उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद क्षेत्रीय कार्यों के लिए खतरा बना हुआ है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। हमें किसी भी अभिव्यक्ति में इसके खिलाफ लड़ाई करनी होगी। कुछ देश इसे क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म के लिए इसे नीति के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। आतंकवादियों को पनाह देते हैं। आतंकवाद के समर्थकों के लिए दोहरे मापदंड नहीं रखने चाहिए। आतंकवाद क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए प्रमुख खतरा बना हुआ है। इस चुनौती से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है। आतंकवाद चाहे किसी भी रूप में हो, किसी भी अभिव्यक्ति में हो, हमें इसके विरुद्ध मिलकर लड़ाई करनी होगी।

SCO में सहयोग के लिए पांच नए स्तंभ

पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि भारत ने स्ष्टह्र में सहयोग के लिए पांच नए स्तंभ बनाए हैं। ये पांच स्तंभ स्टार्टअप और इनोवेशन, पारंपरिक औषधि, युवा सशक्तिकरण, डिजिटल समावेशन और साझा बौद्ध विरासत है।

भारत के बताए दो सिद्धांत

उन्होंने कहा कि स्ष्टह्र के अध्यक्ष के रूप में भारत ने हमारे बहुआयामी सहयोग को नई ऊचाईयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इन सभी प्रयासों को हमने दो सिद्धांतों पर आधारित किया है। पहला- वसुधैव कुटुंबकम% यानी पूरा विश्व एक परिवार है। ये सिद्धांत प्राचीन समय से हमारे सामाजिक आचरण का अभिन्न अंग रहा है और आधुनिक समय में ये हमारी प्रेरणा और ऊर्जा का स्त्रोत है। वहीं, दूसरा दूसरा- स्ष्टष्ठक्रश्व यानी सुरक्षा, आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी, एकता, संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान और पर्यावरण संरक्षण।

अफगानिस्तान की जमीन को पड़ोसी देशों में अस्थिरता फैलाने में न की जाए प्रयोग

उन्होंने आगे कहा कि भारत और अफगानिस्तान के लोगों के बीच सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। पिछले दो दशकों में हमने अफगानिस्तान के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए योगदान दिया है। 2021 के घटनाक्रम के बाद भी हम मानवीय सहायता भेजते रहे हैं। यह आवश्यक है कि अफगानिस्तान की भूमि पड़ोसी देशों में अस्थिरता फैलाने या उग्रवादी विचारधाराओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयोग न की जाए।

भारत कर रहा एससीओ की मेजबानी

गौरतलब है कि भारत एससीओ के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत ने इस साल मई में गोवा में दो दिवसीय सम्मेलन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की मेजबानी की थी। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा गुट है और सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

कब हुई थी एससीओ की स्थापना?

एससीओ की स्थापना रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में की गई थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में स्थायी सदस्य बने। भारत को 2005 में एससीओ में एक पर्यवेक्षक बनाया गया था और आम तौर पर समूह की मंत्री स्तरीय बैठकों में भाग लिया था, जो मुख्य रूप से यूरेशियन क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित था।

पीलीभीत में दर्दनाक हादसा: एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, बारिश के पानी में नहाते वक्त गड्ढे में डूबे

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में दर्दनाक घटना हुई है। अमरिया थाना क्षेत्र के गांव कैंचू में मंगलवार को तीन बच्चों की गड्ढे में डूबकर मौत हो गई। मृतक बच्चों के नाम मुस्तकीम, अयान और रानू हैं। तीनों एक ही परिवार से थे। आपस में चचेरे-तहेरे भाई थे। इस घटना से मृतक बच्चों के परिवार में चीख-पुकार मची हुई है। जगह-जगह खोदे गए गड्ढे बारिश के मौसम में जानलेवा साबित हो रहे हैं। पीलीभीत जनपद के अमरिया क्षेत्र में मंगलवार को पानी भरे गड्ढे में डूबकर तीन बच्चों की मौत हो गई। तीनों बच्चे एक ही परिवार से थे। जानकारी के मुताबिक कैंचू गांव के पास ईंट भट्ठे के पास मिट्टी खोदी गई थी, जिससे वहां पर गहरा गड्ढा हो गया था। सोमवार रात में हुई बारिश से गड्ढे में पानी भर गया। मंगलवार शाम को गांव निवासी भूरा का पुत्र मुस्तकीम (14), नाजिम का पुत्र अयान (8) और छोटन का पुत्र रानू (10) अपने भाई शानू के साथ नहाने के लिए थे।

ग्रामीणों ने बच्चों को निकाला

सभी बच्चे पानी भरे गड्ढे में नहाने के लिए उतर गए, लेकिन गड्ढा गहरा था। मुस्तकीम, आयन और रानू डूबने लगे। उन्हें डूबता देख शानू गड्ढे से निकल गया। मदद के लिए शोर मचाने लगा। आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने गड्ढे में घुसकर तीनों बच्चों को बाहर निकाला। जानकारी मिलते ही रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए।

परिजन तीनों बच्चों को आनन-फानन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। तीन बच्चों की मौत से परिवार में चीख-पुकार मच गई। इसका खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का बड़ा बयान; बोले- पार्टी को गठबंधन नहीं करना चाहिए

प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का कहना है कि पार्टी बिजली कटौती बेराजगारी महंगाई व जनहित के ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जाएगी। कहा कि भाजपा की गलत नीतियों का विरोध न हो इसके लिए वह विपक्ष पर दबाव की राजनीति कर रही है। खाबरी ने कहा कि सरकार अपने वादे के अनुसार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति करने में नाकाम हैं।लोकसभा चुनाव-2024 में अन्य दलों के साथ गठबंधन की संभावनाओं के साथ ही कांग्रेस ने अपनी तैयारियां आरंभ कर दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव-2022 में पार्टी के प्रत्याशियों के साथ मंथन किया।लोकसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस की यह पहली बैठक थी, जिसमें पार्टी नेताओं ने अपनी रणनीति को लेकर चर्चा की और जिलों में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली।कांग्रेस लोकतंत्र को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रही है प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी का कहना है कि पार्टी बिजली कटौती, बेराजगारी, महंगाई व जनहित के ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जाएगी। कहा कि भाजपा की गलत नीतियों का विरोध न हो, इसके लिए वह विपक्ष पर दबाव की राजनीति कर रही है। कांग्रेस लोकतंत्र को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रही है।कि सरकार अपने वादे के अनुसार शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति करने में नाकाम हैं।

CM Yogi Adityanath बोले, शिक्षा समाज की नींव, मुख्यमंत्री ने किया स्मार्ट स्कूल-स्मार्ट ब्लॉक का शुभारंभ

गोरखपुर-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश व समाज की मजबूती के लिए शिक्षा की नींव मजबूत होना जरूरी है। गत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश ने बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में लंबी छलांग लगाई है। 2017 के पहले बदहाली से जो स्कूल बंदी के कगार पर थे आज उनका कायाकल्प हो चुका है। दृढ़ संकल्प, संसाधन, तकनीकी, नवाचार के समन्वय से शिक्षा के क्षेत्र में चमत्कार का सपना साकार हुआ है। तकनीकी के बेहतर उपयोग वाला निपुण भारत मिशन शिक्षा की गुणवत्ता सुदृढ़ करने में शानदार परिणाम दे रहा है। CM Yogi Adityanath गोरखपुर में संपर्क फाउंडेशन की पहल पर संपर्क स्मार्टशाला-स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश व समाज की मजबूती के लिए शिक्षा की नींव मजबूत होना जरूरी है। उन्होंने पांच स्कूलों के शिक्षकों को खुद अपने हाथ से टीएलएम किट प्रदान किया। संपर्क फाउंडेशन की पत्रिका का भी विमोचन किया। संपर्क स्मार्टशाला-स्मार्ट ब्लॉक% कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग एवं संपर्क फाउंडेशन की पहल पर %संपर्क स्मार्टशाला-स्मार्ट ब्लॉक% कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहे थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से नगर क्षेत्र के 58 व चरगांवा ब्लॉक के 68 परिषदीय स्कूलों में एलईडी टीवी, गणित व अंग्रेजी किट से आच्छादित किया गया। मुख्यमंत्री ने पांच स्कूलों के शिक्षकों को खुद अपने हाथ से टीएलएम किट प्रदान किया। शिक्षा समाज की नींव-योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि शिक्षा समाज की नींव है और जब नींव दरक जाएगी तो समाज रूपी भवन कैसे बनेगा। 2017 के पूर्व बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शौचालय, फ्लोरिंग, पेयजल तक की सुविधा नहीं थी। लगभग 1.56 लाख स्कूलों में 1.34 करोड़ बच्चे जाते थे। शिक्षकों की भारी कमी थी।पारदर्शी तरीके से की शिक्षकों की भर्ती-मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने दशा सुधारने का संकल्प लिया और बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में पारदर्शी तरीके से 1.65 लाख शिक्षकों की भर्ती की। कोई भी स्कूल जर्जर न रहे, उनमें फर्नीचर, शौचालय, पेयजल, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी और डिजिटल लाइब्रेरी हो, इसके लिए मिशन कायाकल्प शुरू किया। आज 1.36 लाख स्कूलों का कायाकल्प हो चुका है। स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 1.91 करोड़ हो चुकी है।आज बच्चे यूनिफार्म पहनकर जाते हैं-सीएम योगी ने कहा कि पहले बेसिक स्कूलों के बच्चे नंगे पांव जाते थे, उनके पास यूनिफॉर्म नहीं था। आज सरकार उन्हें सभी सुविधाएं दे रही है। उन्हें दो यूनिफॉर्म, जाड़े में स्वेटर, जूते, बैग दिए जा रहे हैं। और अब तो इस सुविधा के लिए रकम उनके अभिभावकों के खातों में डीबीटी से भेजी जा रही है।कोरोना काल में सबसे अधिक असर स्कूली शिक्षा पर -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी की महत्ता पर चर्चा करते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग से शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कोरोना कालखंड में टेक्नोलॉजी के उपयोग का जिक्र करते हुए कहा कि कोरोना का सबसे अधिक प्रभाव स्कूली शिक्षा पर पड़ा था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया की जो प्रेरणा दी, उसके इस्तेमाल से बच्चों की शिक्षा में रुकावट नहीं आने दी गई। डिजिटल इंडिया के चमत्कारिक परिणाम हरेक स्तर पर देखने को मिल रहे हैं और भारत लीडरशिप देने की स्थिति में है। सीएम योगी से स्मार्ट स्कूल, स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम को अभिनव प्रयोग बताते हुए इसके लिए पहल करने वाले संपर्क फॉउंडेशन की सराहना की। ल, संपर्क फाउंडेशन के संस्थापक व प्रबंध निदेशक विनीत नायर ,अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार, संपर्क फाउंडेशन के अध्यक्ष के. राजेश्वर राव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक श्रीराम चौहान, फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, डॉ विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारी, बड़ी संख्या में शिक्षक व स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।स्टालों का अवलोकन कर किया

संपादकीय Editorial

'Chanakya' became the mind

Sharad Pawar, who is considered to be the 'Chanakya' of Maharashtra, was pacified. His nephew and 'politician Chandragupt' Ajit Pawar not only hijacked his party NCP, but also switched sides and joined the BJP-Shiv Sena government. Ajit Pawar is lucky that he has become the Deputy Chief Minister for the 5th time. History has repeated itself in this episode. Sharad Pawar rebelled against his 'political guru' Vasant Dada Patil and became the Chief Minister of Maharashtra, at the young age of 38, with the support of the Janata Party. In 1999, he rebelled against the Congress on the issue of foreign origin of the then Congress President Sonia Gandhi and formed the 'Nationalist Congress Party' (NCP). Today Ajit Pawar is claiming the same party and election symbol. Along with him, the support of 40-44 out of total 54 MLAs of the party is also being claimed. At present, 8 NCP MLAs have also taken oath as ministers along with Ajit, but like the faction headed by Shiv Sena Chief Minister Eknath Shinde, the constitutional reshuffle of rebel NCP MLAs has to be decided by Speaker Rahul Narvekar. Till then there will be instability and uncertainty in the politics and power of Maharashtra. However, Sharad Pawar has announced that he will not go to court. Those who have rebelled and committed dacoity, we will create a new public opinion and a new leadership by going around the whole of Maharashtra against them. Political substance is still left in Pawar. The most serious surprise of this episode has been that 'Chanakya' was killed. He has been considered a contender for the post of prime minister several times in national politics. He was also the Leader of the Opposition in the Lok Sabha and also became a Union Minister. Now at the age of 83, how active he will be able to remain active and how much public opinion he will be able to garner is a big question. Ajit's sudden hijacking of the NCP was not because Sharad Pawar had made daughter Supriya Sule and close MP Praful Patel the working president of the party.

In fact, Ajit was feeling marginalized in the party, so about three months ago he had met Union Home Minister Amit Shah in the capital Delhi and expressed his intention to work with the BJP. In the past, Chief Minister Eknath Shinde and Deputy Chief Minister Devendra Fadnavis had also met Amit Shah and finalized the script of Sharad Pawar's coup. Although on the morning of 23 November 2019, Ajit Pawar was sworn in as 'deputy' along with Chief Minister Fadnavis, but it was only a 78-hour alliance and Sharad Pawar was successful in his strategy, but this time in view of the 2024 Lok Sabha elections. has been decided. Assembly elections are to be held only after that. The change has happened in the form of NCP, hence the party led by Ajit has been considered as a constituent of the NDA. A meeting of party leaders and office bearers has been called on July 5. Sharad Pawar has also called a meeting on the same day. It will be significant that how many MLAs Sharad Pawar is able to bring back to the party or whether Ajit contests the Lok Sabha and then assembly elections along with the BJP, this will decide the future politics. By the way, this time the leaders who were very close to Pawar in NCP have decided to switch sides and join Modi-Shah's BJP. Since the action of Enforcement Directorate and other investigative agencies is going on against many big NCP leaders, such leaders want to hold the door of BJP only. BJP-NDA seems to have electoral advantage, but only elections will verify in whose favor the real public opinion is.'Chanakya' became the mind

Sharad Pawar, who is considered to be the 'Chanakya' of Maharashtra, was pacified. His nephew and 'politician Chandragupt' Ajit Pawar not only hijacked his party NCP,

Analysis: Developing countries are stronger than before, active non-alignment is now the need of the hour

The difference between this new 'non-alignment' and the non-alignment being adopted by nations in the past decades is that the new non-alignment is being talked about at a time when developing countries are emerging stronger than before. Now take the BRICS countries (Brazil, Russia, India, China and South Africa), whose gross domestic product (GDP) in terms of purchasing power has surpassed that of the G-7 group of economically advanced nations. What about Brazil after all? Prima facie maybe not much. Yet Brazilian President Luiz Inácio Lula da Silva, who is serving his third (non-consecutive) term, has tried hard to bring peace to Eastern Europe in the first six months. This includes talks with US President Joe Biden and Chinese President Xi Jinping and a telephone conversation with Ukrainian President Volodymyr Zelensky. Also worth noting is the 'shuttle diplomacy' of Lula's chief foreign policy advisor and former foreign minister, Celso Amorim, in which he met Russian President Vladimir Putin. and welcomed his Foreign Minister Sergei Lavrov in Brasilia. There is a reason why Brazil is talking to the different parties involved in the conflict. In fact, he has decided not to take any side in the war. In doing so it appears to be following the principle of what my colleagues and I have called 'active non-alignment'. By 'active non-alignment' we mean such a foreign policy, in which the countries of the developing world - Africa, Asia and Latin America - refuse to take any side in the conflict between the big powers and focus only on their own interests. Are. The difference between this new 'non-alignment' and the non-alignment being adopted by nations in the past decades is that the new non-alignment is being talked about at a time when developing countries are emerging stronger than before. Now take the BRICS countries (Brazil, Russia, India, China and South Africa), whose Gross Domestic Product (GDP) in terms of purchasing power has surpassed that of the G-7 group of economically advanced nations. This growing economic power empowers active non-aligned countries internationally, making it easier for them to create new initiatives and diplomatic alliances that were previously unimaginable. Active non-alignment has been fueled by growing competition, which I see as an emerging Second Cold War between the US and China. For many countries in the developing world, maintaining good relations with both Washington and Beijing has been important to their economic development, trade and investment. It is not in their interest to take sides in this growing conflict. Such non-alignment requires a highly sophisticated diplomacy, which examines each issue on its merits and takes decisions efficiently. As far as the Ukraine war is concerned, active non-alignment means not supporting either Russia or NATO. Brazil is not the only country in the developing world to adopt such a policy. Many major countries in Africa, Asia and Latin America have refused to take the side of NATO. The most prominent among these has been India. Despite having better relations with the US and joining the Quad, India has refused to condemn the Russian attack on Ukraine and has also significantly increased oil imports from Russia. In fact India's situation shows that the world is actually divided between developed and developing countries. Apart from India, some of the largest democracies of the world have refused to take the side of NATO. Almost no country in Africa, Asia and Latin America has supported diplomatic and economic sanctions against Russia. However, many of these countries have voted in the United Nations General Assembly to condemn the Russian attack on Ukraine. More than 140 member states have done this repeatedly, because no country wants to turn a European war into a global war. Washington is surprised by this response. He has portrayed the Ukraine war as a choice between good and evil, where the future of the 'rules-based international order' is at stake. Russia saw the new Non-Aligned Movement as an opportunity to strengthen its position. While China has intensified the campaign to increase the international role of Yuan. I believe that active non-alignment depends as much on regional multilateralism and cooperation as it does on these high-level meetings. The recent South American Diplomatic Summit hosted by Lula in Brasilia reflected Brazil's awareness of the need to work together with neighbors to implement international initiatives. The need to work together is also motivated by the region's economic crisis. In the year 2020, Latin America was hit by the worst economic recession in 120 years. The region faced the highest number of deaths due to COVID-19 in the world. In such a situation, active non-alignment has emerged under the idea of not getting caught in the fight of big powers. In addition to the early US-China Cold War and the Ukraine War, its new

Economic health of four poll-bound states: Populist schemes dominate, how much impact do they have on economic development?

Fiscal deficit is such an essence of the economic situation, from the analysis of which many aspects emerge. Now even though the fiscal deficit of Rajasthan and Madhya Pradesh is almost same, but comparatively Madhya Pradesh is in better condition than Rajasthan. Similarly, even though Telangana has the lowest fiscal deficit among the four states, it cannot be said that it is in the best economic condition. These days, the election season is near in some states of India and in all those states, there is a lot of influence on public attractive and social welfare schemes. Is this an electoral politics of the present state governments? Have these not given a push to the economic development of the states? Many such questions are in discussions these days. Under the democratic system, where the main responsibility of the government is to take the society towards economic prosperity, there is also the economic welfare of the deprived from the mainstream. It is a quandary in which drawing the right line is a very difficult task, because both economic prosperity and social welfare are opposite directions of each other. Everyone will achieve 100% is an imaginary thinking, attitude can be taken under with this thought that sections should always get policies. By the end of this held in four big states of the Madhya Pradesh, Telangana. As important as terms of geographical and important is their economic development of according to various development, all these states same scale. For example, if deficit of the states, Pradesh look far ahead of set for the current financial

economic prosperity – this therefore responsible democratic system only backward and poor priority in economic year, elections are to be country, Rajasthan, Chhattisgarh and these four states are in strategic structure, equally contribution to the the country. Still, parameters of economic cannot be weighed in the we talk about the fiscal Rajasthan and Madhya the limit of three percent year, as the fiscal deficit in both is estimated at four percent. On the other hand, it is estimated at 3 percent in Chhattisgarh and 2.7 percent in Telangana, which is a symbol of excellent economic condition. It is worth noting that fiscal deficit is such an essence of the economic condition, from the analysis of which many aspects emerge. Now even though the fiscal deficit of Rajasthan and Madhya Pradesh is almost same, but comparatively Madhya Pradesh is in better condition than Rajasthan. Similarly, even though the fiscal deficit of Telangana is comparatively the lowest among the four states, it cannot be said that it is in the best economic condition. Under the ideal condition of economic development of any state, three things can be taken mainly. Can One, the ratio of capital expenditure to the total expenditure of the state. Second, the actual implementation of budgeted capital expenditure and third, the ratio of committed expenditure to revenue expenditure. On the basis of these aspects, the fiscal deficit of Rajasthan and Madhya Pradesh is similar, but the difference is that in Madhya Pradesh, the main reason is the interest paid on the financial loan taken for the purpose of increasing the capital expenditure. On the other hand, the percentage of committed expenditure in Rajasthan is comparatively very high in revenue expenditure. According to the data, the expenditure on capital expenditure is only eight per cent in Rajasthan, due to which it is at the lowest position among the four states. Significantly, if a state government aims to increase capital expenditure, then definitely economic prosperity is reflected in economic policies, because new jobs are created through these expenditures, inflation is controlled and basic facilities are developed. Which attracts new industries and private investment in a better way. Through these expenses, the state also helps in generating various new sources of income, through which productivity and efficiency increase in the future. Focus in economic policies towards capital expenditure leads any state towards economic prosperity. can be taken Therefore, it is essential to increase the proportion of capital expenditure continuously and around 90 per cent of the budgeted expenditure is actually implemented. On the other hand, the high contribution of salaries and pensions to revenue expenditure will definitely increase the revenue deficit, so it is very important to keep it below 50 per cent. Otherwise, the state will never be able to prosper and will not be able to work towards its vision of social welfare, which will eventually result in a poor and backward state.

कृपया धीरे चलें, कांवड़ यात्रा चल रही है..., पुलिस ने हाईवे पर जगह-जगह लगाए बोर्ड

मुरादाबाद- कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने हाईवे पर बृजघाट से लेकर मुरादाबाद तक सुरक्षा प्लान तैयार किया है। जगह-जगह पुलिस ने खंभों पर बोर्ड लगा कर वाहन चालकों को सचेत किया है कि कृप्या धीरे चलें कांवड़ यात्रा चल रही है। इतना ही नहीं अवैध कट बंद करने के बाद भी हाईवे के बीच में जहां पर पौधे लगे होते हैं,

वहां पर भी रस्सी बांधी गई है। जिससे कोई व्यक्ति कांवड़ियों की ओर न जा सके। हाईवे पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। जिनसे लोगों पर नजर रखी जाएगी।

आस्था के नाम पर हुड़दंग करने वालों पर भी खास नजर रखी जाएगी। सावन का पहला सोमवार 10 जुलाई को है। हालांकि शुक्रवार से हाईवे पर रुट डायर्वजन कर दिया जाएगा।

जोकि सोमवार की शाम तक लागू रहेगा। यूं तो हर साल ही सावन महीना और महीनों से श्रेष्ठ माना जाता है, लेकिन इस बार महायोग होने से सावन माह की महत्ता और बढ़ गई है। 4 जुलाई से सावन माह आरंभ हो गया। इस बार सावन माह पूरे 59 दिन का है और 31 अगस्त को समाप्त होगा। हर साल की अपेक्षा इस साल पूरे दो माह कांवड़ यात्रा चलेगी, इसलिए सुरक्षा पर पूरा फोकस किया गया है। एक तरह से कहें,तो प्रशासन के लिए कांवड़ यात्रा किसी परीक्षा से कम नहीं होती। हाईवे की एक साइड को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। हल्के वाहनों को दूसरी तरफ चलाया जाएगा। हाईवे पर पुलिस ने कृपया धीरे चलें, कांवड़ यात्रा चल रही है,आप सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। इस स्लोगन के बोर्ड लगाए हैं,हाईवे पर पाकबड़ा थाना क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इतना ही नहीं, बल्कि हाईवे पर पौधों वाली जगह पर भी बल्ली लगाकर रस्सी बांधी गई हैं। अवैध कटों को बंद किया गया है। शहर में भी कई स्थानों पर हाईवे पर बैरीकेटिंग की गई है। बृजघाट और हरिद्धार से बड़ी संख्या में भोले के भक्त कांवड़ लेकर आते है। जो पवित्र जल प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग पर चढ़ाया जाता है। सावन माह में लोग उपवास भी रखते हैं। हाईवे पर पुलिस भी तैनात रहेगी।

हाथों में मेहंदी सजाए दुल्हन करती रही साजन का इंतजार, बारात लेकर नहीं पहुंचा दूल्हा

मुरादाबाद- थाना कुन्दरकी इलाके के जलालपुर गांव में एक गरीब मरहूम किसान की बेटी का शादी का पंडाल सजा था और लाल जोड़े में दुल्हन हाथों में मेहंदी सजाए साजन का इंतजार कर रही थी। लेकिन, उसके अरमान उस वक्त चकनाचूर हो गए, जब दिनभर के इंतजार के बाद दूल्हा बरात लेकर नहीं पहुंचा। बाद में पता चला कि बारात नहीं आएगी। यह जानकारी लगते ही शादी की खुशियां गम में बदल गईं। युवती की बारात न आने की चर्चा पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। दुल्हन को इसका ऐसा सदमा लगा कि उसने आत्महत्या की कोशिश की। इसके बाद लड़की पक्ष ने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस लड़की पक्ष को थाने ले गई। जानकारी के मुताबिक, जलालपुर के रहने वाले मरहूम गरीब किसान अनवार हुसैन की बेटी का विवाह कुंदरकी के बांकीपुर निवासी वाहिद हुसैन के बेटे उवैश से तय हुआ था। रविवार को बारात आनी थी। दुल्हन के भाई ने बताया कि उसकी बहन का प्रेम प्रसंग चल रहा है, जिसके तहत शादी तय हुई थी। घर मे शादी की तैयारियां चल रही थीं। हम सब परिवार वाले शादी में आए मेहमानों को खाना खिला रहे थे लेकिन काफी समय बीतने के बाद बारात नहीं आई। बताया कि दूल्हा पक्ष के लोगों ने शादी में जो मांगा हमने उससे भी बढ़कर दिया। दहेज के समान के साथ साथ दहेज में डेढ़ लाख कैश भी दे रहे थे। लेकिन रविवार दिनभर बरात का इंतजार किया जाता रहा। खाने-पीने की व्यवस्था पूरी थी। काफी समय बीत गया, लेकिन बरात नहीं आई। जब कारण जानने की कोशिश की तो लड़के और उसके परिवार के सभी के फोन बंद आ रहे थे। जब दुल्हन को बारात न आने की सूचना मिली तो दुल्हन हैरान रह गई और सपने अधूरे रह गए। बरात न आने से दुल्हन हाथ में मेहंदी लगाए ही बैठी रही। वहीं दुल्हन ने खुद 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुल्हन के घर पहुंचकर जानकारी जुटाई और दुल्हन के परिवार को अपने साथ थाने ले आई।

ई-चालान तक ही नहीं रहेंगे सीमित, करेंगे कड़ी कार्रवाई

मुरादाबाद- बढ़ते सड़क हादसों में कमी लाने को मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह बड़ी योजना तैयार कर रहे हैं। वह अपनी रणनीति को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की तैयारी में लगे हैं। सड़क पर व्याप्त समस्याओं को समाप्त करने में वह बजट मिलने का अधिक इंतजार न कर विभिन्न विभागों में उपलब्ध संसाधनों के सहयोग से ही दुर्घटनाओं को रोकने वाले कार्यों को पूरा कराने की तैयारी कर रहे हैं। बातचीत में मंडलायुक्त ने स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल ई-चालान तक ही सीमित नहीं रहेंगे बल्कि, दूसरों की जिंदगी को खतरा बनने वालों पर वह एफआईआर दर्ज कराने जैसी कार्रवाई कराएंगे। मंडलायुक्त का कहना है कि सड़क सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, सड़क सुरक्षा वाले कार्यों में जो समयबद्धता होनी चाहिए, वह पूरी तरह से नहीं है। बताया, अभी वह ट्रांजेक्शन फेज में है। अतिरिक्त बजट की उम्मीद न कर स्थानीय संसाधन से काम कर रहे हैं। दुर्घटनाओं और जाम से छुटकारा दिलाने को उन्होंने पहली प्राथमिकता बताई है। उन्होंने कहा, वाहनों की ओवर स्पीड को कंट्रोल करेंगे। नगर निगम के महापौर से दो डिवाइस स्पीड नियंत्रण व एक वैन के लिए अनुरोध किया है। कहा कि स्टेट हाईवे पर डिवाइडर न होना भी सड़क हादसों को रोकना चुनौतीपूर्ण है।

हाईवे पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, वालंटियर भी करेंगे निगरानी

मंडलायुक्त ने बताया, उनका मुख्य फोकस नेशनल हाईवे पर भी है। हाईवे से निकलने वाले संपर्क मार्गों पर भी खतरा रहता है। हाईवे पर अवैध कट बड़ा विषय है। कई बार हमने (कमिश्नर) कट बंद भी कराए हैं। उन्होंने कहा, अब हर जगह प्रशासन कैमरा नहीं लगा सकता। लेकिन, जहां बाजार हैं, वहां नगर निगम व नगर पालिका व्यापार मंडल से बात कर कैमरे लगाएंगे। हाईवे पर जिन अवैध कट वाले स्थान पर बाजार नहीं है, वहां प्रशासन अपने संसाधन से कैमरे लगवाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम में कोई भी पार्षद गली या वार्ड में कैमरा लगवाने के लिए प्रस्ताव देता है और उस पर नगर निगम सहमति व्यक्त करता है तो इस तरह का कोई भी प्रस्ताव वह नहीं मानेंगे। अवैध कट रोकने के लिए मंडलायुक्त वालंटियर तैयार करने की बात कह रहे हैं।

जुगाड़ वाले वाहन चालकों पर मंडलायुक्त की नजर

मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने अवैध ई-रिक्शा को शहर से बाहर कर देने की बात बताई है। कहा, शहर में अब अवैध ई-रिक्शा बहुत कम रह गए हैं। बताया कि ई-रिक्शा के रूट निर्धारण को उनकी डीआइजी व एसएसपी से बात हुई है। ' 'जुगाड़'' वाले वाहनों पर नकेल कसी जाएगी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं का दूसरा कारण मार्गों से अतिक्रमण व वाहन की ओवर स्पीड, सड़क पर स्टंटबाजी भी बताई। कहा, मार्ग से अतिक्रमण हटा रहे हैं। कहा, कई बार उन्होंने खुद ओवरस्पीड व स्टंटबाजी वाले वाहन चालकों का ई-चालान कराया है।

कांवड़ मेला में लक्सर तक विशेष ट्रेन चलाएगा रेलवे, 5 से 20 जुलाई तक किया जाएगा ट्रेन का संचालन

मुरादाबाद- कांवड़ मेला के मद्देनजर रेल प्रबंधन ने विशेष रेलगाड़ी का ऐलान किया है। 5 से 20 जुलाई के बीच चलने वाली यह ट्रेन लक्सर से मुरादाबाद के बीच सेवा देगी। लक्सर से चलकर बालावाली, मौअज्जमपुर नारायण, नजीबाबाद, नगीना, धामपुर, स्योहारा, कांठ होते हुए यह विशेष गाड़ी मुरादाबाद पहुंचेगी। इसी क्रम में वापसी करेगी। ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच= भीड़ के मद्देनजर रेलवे प्रबंधन ने हरिद्वार से चंदौसी के बीच चलने वाली 04360/59 नंबर की ट्रेन में तीन अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। देहरादून से सहारनपुर के बीच चलने वाली 04374/73 रेलगाड़ी में भी दो अतिरिक्त सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। बरेली से अलीगढ़ के बीच चलने वाली 04376/75 नंबर की गाड़ी में ही दो अतिरिक्त सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। गाड़ी संख्या 04334/33 नजीबाबाद-गजरौला के बीच चलने वाली ट्रेन में एक अतिरिक्त कोच लगेगा। गजरौला-अलीगढ़ सवारी गाड़ी में भी एकत्रित कोच रहेगा। जबकि, नजीबाबाद से मुरादाबाद के बीच चलने वाली 04394/93 नंबर की गाड़ी में भी एक अतिरिक्त कोच लगेगा। यह सेवा पांच से 20 जुलाई के बीच प्रभावी रहेगी। यह जानकारी वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने दी है।

तीन चीनी मिलों पर किसानों का 115 करोड़ बकाया, चार माह बाद शुरू होना है नया पेराई सत्र

मुरादाबाद- जनपद की तीन चीनी मिलें किसानों का 115 करोड़ रुपया दबाकर बैठी हैं। बकाया गन्ना मूल्य भुगतान में ये चीनी मिले आनाकानी कर रही हैं। इससे किसान परेशान हैं। जबकि चार माह बाद नवीन पेराई सत्र शुरू हो जाएगा।

हालांकि मंडल की 11 चीनी मिले भी ऐसी हैं जिन्होंने किसानों का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती करता है, क्योंकि इससे किसानों को एकमुश्त पैसा मिल जाता है और किसान अपने जरूरी काम भी पूरे कर लेता है। वैसे भी गन्ने की फसल में नुकसान की संभावना भी कम रहती है। इस साल के लिए केंद्र सरकार ने गन्ना मूल्य में दस रुपये की बढ़ोतरी की है, लेकिन किसानों को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है, जब किसानों को समय से भुगतान नहीं मिल पाता है। अपना ही पैसा पाने को वह अधिकारियों के चक्कर काटते हैं। मंडल में 22 चीनी मिले हैं, जिनमें से 11 चीनी मिलों ने तो शतप्रतिशत गन्ना भुगतान कर दिया।

आठ चीनी मिलों पर एक या दो प्रतिशत की देनदारी है। लेकिन, जनपद की तीन चीनी मिलों अगवानपुर, बेलबाड़ा ओर बिलारी पर 115 करोड़ रुपया अभी भी बकाया है।इन चीनी मिलों ने किया 100 प्रतिशत भुगतान हसनपुर, बिलासपुर, नजीबाबाद, बूंदी बहादरपुर बिजनौर, धामपुर, स्योहारा, चंदनपुर, रानीनांगल, असमौली और मिलक नारायनपुर चीनी मिलों ने किसानों का सौ प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान कर दिया है। जब चीनी मिलों को बंद हुए कई माह हो गए तो भुगतान भी सभी मिलों से हो जाना चाहिए। इस समय किसानों को पैसों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। जिन चीनी मिलों ने अभी तक भुगतान नहीं किया है, प्रशासन उन पर दबाव बनाकर भुगतान कराए। संगठन समय-समय पर किसान हित में धरना-प्रदर्शन करता रहता है। -चौ. दिवाकर सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाकियू (शंकर) मंडल की 11 चीनी मिलें सौ प्रतिशत गन्ने का भुगतान कर चुकी हैं, अब तक 92 प्रतिशत भुगतान हो चुका है। सिर्फ आठ प्रतिशत बकाया ही चीनी मिलों पर बकाया है। इसका जल्द भुगतान कराया जाएगा। किसान हित सबसे पहले है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।- हरपाल सिंह, उप गन्ना आयुक्त,

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करे

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

महिला परामर्श पुलिस टीम ने पति पत्नी के शिकवे दूर कर 3 परिवारों को टूटने से बचाया

शशिकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
शाहजहांपुर के नवागत पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा के समक्ष तीन परिवार अपनी समस्याएं लेकर उपस्थित हुए! पुलिस अधीक्षक द्वारा उनकी शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना गया और तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन को तीनों पक्षों के मध्य उत्पन्न आपसी मतभेदों को दूर कर दूर करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए इसी क्रम में श्रीमती वंदना सिंह मुख्य आरक्षी श्वेता सिंह महिला आरक्षी लक्ष्मी चौहान,कॉन्स्टेबल सौरभ द्वारा दोनों पक्षों के मतभेदों को ध्यान से सुना तथा तीनों की मध्यस्था करते हुए गहनता पूर्वक समझाया गया,जिससे तीनों परिवारों के पति पत्नी गिले-शिकवे भूलकर आपसी सहमति से साथ रहने को तैयार हो गए इस अवसर पर दंपत्ति ने एक दूसरे को पुष्पमाला पहनाई। प्रभारी निरीक्षक द्वारा दोनों पक्षों खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं दी। इस तरह शाहजहाँपुर पुलिस के अथक प्रयास से क्रमशः पूर्व जुडे रिश्तों को जो टूटने की कगार पर थे टूटने से बचाया जिस पर तीनों परिवार के सदस्यों द्वारा शाहजहाँपुर पुलिस का शुक्रिया अदा किया गया।1-पुष्पा देवी पत्नी अभिषेक भास्कर मोहल्ला आवास विकास कॉलोनी थाना सदर बाजार शाहजहांपुर के साथ हुआ था

परंतु लगातार आपसी मतभेद होने के कारण इनका रिश्ता टूटने की कगार पर था। 2-खुशबू पुत्री धर्मपाल दाउदपुर रुद्रपुर सेहरामऊ दक्षिणी व बनाम धीरेंद्र सिंह पुत्र दिनेश सिंह ग्राम शमशेरपुर थाना कांट 3-कोमल पुत्री रामसेवक निवासी खलील कटरा थाना तिलहर बनाम विपिन पुत्र रामचंद्र निवासी मौलागंज शाहबाद थाना शाहाबाद जनपद हरदोई

घर भोज कार्यक्रम में डीजे पर नाचने को लेकर हुए विवाद में चाकू लगने से एक की मौत

राम कुमार यादव
क्यूँ न लिखूँ सच
बस्ती। जिले के गौर थाना क्षेत्र के सरदहा हरिनरायणपुर गांव में बीती रात डीजे पर नाचने झूमने को लेकर मामूली विवाद के चलते एक की मौत का मामला सामने आया है।मिली जानकारी के अनुसार गौर थाना क्षेत्र के सरदहा हरिनरायणपुर में बीती रात एक व्यक्ति के यहां घर भोज का कार्यक्रम था। जिसमें डीजे साउंड सिस्टम लगाया गया था। महिलाएं और पुरुष सभी उस पर डांस कर रहे थे डांस देखने के दौरान कुछ लोगों की युवक चंद्रभान से मारपीट हो गई।वाद के दौरान चंद्रभान के सीने पर चाकू लगने से घटनास्थल पर ही चंद्रभान की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची गौर पुलिस की टीम ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही में जुट गई। सूचना पर पहुंचे सीईओ शेषमणि उपाध्याय एवं थाना प्रभारी राजकुमार पाण्डेय ने गांव के लोगों से घटना के बारे में जानकारी हासिल की। गांव में इस घटना से सनसनी फ़ैल गई।मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सीओ व थाना प्रभारी द्वारा मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

कांवड़ मार्ग पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान सड़क के फुटपाथ से ठेल, धकेल और अस्थाई अतिक्रमण हटवाया

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच
श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। मंगलवार को मारहरा के प्रमुख कांवड़ मार्ग नदरई रोड पर पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। एसओ सत्यपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिसब कस्बा के पुराना अस्पताल चौराहे से नदरई रोड पर पहुंचा। यहां सड़क के फुटपाथ पर मनमाने तरीके से खड़े किए गये ठेले और धकेलों को हटवाया गया।

साथ ही ऑटो मोबाईल की दुकानों के आगे अवैध रूप से शौकर इत्यादि के काउंटरों को भी हटाया गया। पुलिस द्वारा अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई कि कांवड़ यात्रा के दौरान यदि किसी ने भी अतिक्रमण या यातायात बाधित किया तो सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान कांवड़ मार्ग के अंडा, मांस विक्रेताओं को भी बिक्री न करने की हिदायत दी। इस मौके पर थानाध्यक्ष के अलावा एसआई अनिल यादव, अशोक यादव, अंकित तोमर, कृष्ण कुमार, वीनेश कुमार, विजेंद्र सिंह, निर्देश कुमार, वीर बहादुर, प्रदीप, उमेश, हरिओम आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बिहारपुर में किया गया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच
सूरजपुर- बिहारपुर - सूरजपुर जिले के चांदनी बिहार पुर में आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिहारपुर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को तहसीलदार महोदय द्वारा शपथ दिलाया गया तत्पश्चात उपस्थित लोगों से वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया गया व जिनकी उम्र 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष पूर्ण हो रहा है उनका नाम जोड़ने हेतु फार्म 6 भी भरवाया गया जिनकी संख्या 8 है तथा यह समझाईस दिया गया कि अगर आपके आसपास अगल-बगल कोई भी व्यक्ति ऐसा हो जिनका नाम अभी तक वोटर लिस्ट में नहीं जुड़ा है
वह बी एल ओ से संपर्क कर अपना नाम जुड़वाएं व किसी भी प्रकार की त्रुटियां हो उन्हें भी सुधारने हेतु समझाइश दिया गया।मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में तहसीलदार बिहारपुर एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर धीरेंद्र जायसवाल विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर रामकेश्वर शाहवाल व संजय जायसवाल तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभी स्टाफ वह प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

आयोग की सदस्या ने बौद्धों को संकिसा स्तूप की सुरक्षा व सुंदरीकरण कराने का दिया आश्वासन

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -संकीसा बौद्ध नगरी के निकट वाईबीएस सेंटर में आज राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार की सदस्या श्रीमती रिंचेन लामो ने बौद्ध अनुयायियों के साथ बौद्धों की समस्याओं एवं उनके समाधान के लिए महत्वपूर्ण बैठक की संकिसा धम्मालोंको बुद्ध विहार एवं सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कर्मवीर साथ के नेतृत्व में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्या श्रीमती रिचेंन लामो को भगवान बुद्ध के पवित्र स्तूप स्थल की सुरक्षा एवं सुंदरीकरण के लिए ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन में श्रीमती रिंचेन लामो से संकिसा स्थित प्राचीन बौद्ध स्तूप स्थल की सुरक्षा व सुंदरीकरण कराने की मांग की गई श्रीमती लामों को अवगत कराया गया कि जनपद फर्रुखाबाद के संकिसा स्थित प्राचीन बौद्ध स्तूप स्थल राजस्व अभिलेख में केंद्रीय पुरातत्व विभाग के नाम दर्ज है पुरातत्व विभाग द्वारा स्तूप परिसर की देखरेख की जाती है ऊंची चारदीवारी न होने के कारण अक्सर लोग दीवार से कूदकर स्तूप परिसर में गंदगी फैलाते हैं मेनगेट पर छोटा घटिया फाटक लगे होने के कारण वहां से भी अराजक तत्व अंदर जाकर स्तूप व

खुदाई में निकले प्राचीन शिलालेख को क्षतिग्रस्त कर चुके हैं स्तूप स्थल को सुरक्षित व उपयोगी बनाया जाये स्तूप स्थल की बाउंड्री काफी ऊंची करा कर बड़ा एवं मजबूत फाटक लगवाया जाए स्तूप स्थल की सुरक्षा के लिए निकट ही पुलिस चौकी पुलिस चौकी खुलवायी जाए विदेशी पर्यटकों व भिक्षुओं की सुविधा के लिए सबमर्सिबल व पानी की टंकी लगवाकर शौचालय एवं बाथरूम का निर्माण कराया जाए रोशनी के लिए विद्युतीकरण अथवा सौर ऊर्जा की प्लेटें लगवाई जाए स्तूप स्थल की सुरक्षा के लिए वहां प्रतिवर्ष अवैध रूप से लगने वाले मेले को बंद करवाया जाए श्रीमती रिचेंन लामों ने बातों को आश्वासन दिया कि वह दिल्ली जाकर केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मांगों को पूरा करवाने का प्रयास करेंगे वाईबीएस सेंटर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश बौद्ध ने श्रीमती रिचेंन लामों का स्वागत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्मवीर शाक्य ने की ज्ञापन पर डॉ धम्मपाल थैरो रघुवीर शाक्य राहुल एडवोकेट डॉ देवेश शाक्य शिवशरन शाक्य सरदार सिंह प्रधान हरवेंद सिंह शाक्य उर्फ लहोरे श्रीमती सरिता शाक्य अवनीश शाक्य गंगादीन बौद्ध प्रभु दयाल एडवोकेट सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक आरडी बौद्ध, कमल सिंह महेंद्र सिंह शाक्य ने हस्ताक्षर किए है सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कर्मवीर शाक्य ने बताया कि बीते दिन बुद्ध विहार में ट्रस्ट की बैठक कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए भिक्षुओं के वर्षावास को स्वच्छता पूर्वक व सुविधाजनक संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ भिक्षु धम्म कीर्ति को बुद्ध विहार के भिक्षु संघ का प्रभारी बनाया गया भिक्षु धम्म मित्र के चले जाने के कारण ट्रस्ट के उप प्रबंधक रघुवीर शाक्य को बुद्ध विहार कार्यालय का प्रभारी बनाया गया श्री शाक्य ने बताया कि अस्वस्थ रहने के कारण मैं स्तूप संबंधी मुकदमों का बेहतर ढंग से पैरवी नहीं कर पा रहा हूं इन मुकदमों की पैरवी करने की जिम्मेदारी आरडी बौद्ध अवनीश शाक्य शिवशरन शाक्य हरवेंद्र सिंह शाक्य रघुवीर शाक्य व डॉ देवेश शाक्य को सौंपी गई है दिवंगत मुंशीलाल शाक्य के स्थान पर हरवेंद्र सिंह शाक्य को मुकदमे में पक्षकार बनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कर्मवीर शाक्य ने भिक्षुओं को भोजन खिलवाया बौद्ध एवं अंबेडकर अनुयायियों ने गुरु पूर्णिमा की बधाई देते हुए बताया कि बुद्ध ही गुरु हैं इसी बुद्ध ने गुरु पूर्णिमा के दिन सारनाथ में पहली बार सार्वजनिक ज्ञान दिया था बुद्ध ही गुरु हैं इनकी ही शिक्षाएँ दुनिया भर में विख्यात हुईं बुद्ध ही गुरु हैं अनेक देशों में इसी गुरु के कारण अनेक शिक्षा केंद्र खोले गए बुद्ध ही गुरु हैं इन्हीं का ज्ञान पाने के लिए अनेक विदेशी भारत आए उन्होंने बताया कि बुद्ध ही गुरु हैं अनेक भिक्खुओं ने इसी गुरु के ज्ञान का अनेक देशों में प्रचार किया बुद्ध ही गुरु हैं इसलिए अनेक देशों में पढ़ाई का सत्र गुरु पूर्णिमा के माह जुलाई से आरंभ होता है बुद्ध ही गुरु हैं अनेक राजाओं ने गुरु पूर्णिमा के दिन अनेक भिक्खु संघों को शिक्षा हेतु अनेक गाँव दान दिए थे

प्राथमिक विद्यालय चेना गौंटिया में चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। रिठौरा। प्राथमिक विद्यालय चेना गौंटिया में ग्रीष्म-कालीन अवकाश के बाद खुले स्कूल पर पहुंचे स्टाफ ने देखा शौचालय एवं बच्चों के पानी पीने की टोंटी तथा बिजली के तार नहीं हैं। उन्हें अज्ञात चोर चुरा ले गए। प्रधानाचार्या नीतू गुप्ता ने 112 नम्बर पर कॉल कर पुलिस को घटना से अवगत कराया। वहीं मामले की लिखित शिक़ायत रिठौरा पुलिस चौकी पर भी की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नहीं रूक रहा तीन तलाक़ न्याय को भटक रही है पीड़िता

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। भले ही योगी -मोदी सरकार ने तीन तलाक़ पर खड़े कानून बना दिए हैं। लेकिन धरातल पर आज भी उस पर अमल नहीं हो रहा है। थाना हाफिजगंज के कुंवरपुर बंजरिया में भी एक मामला प्रकाश में आया है।एक विवाहिता के अनुसार उसके पति की मिलीभगत दुष्कर्म किया गया। पति ने पत्नी को धमकाते हुए घटना के वारे में किसी से कुछ न बताने को कहा लेकिन पीड़िता ने अपने पिता को सब कुछ बता दिया।इस बात से नाराज़ होकर उसने पीड़िता को तीन तलाक़ दे दिया। पीड़िता ने? न्याय पाने के लिए मामले का मुकदमा एक जून को थाना इज्जतनगर नगर में दर्ज करवाया। लेकिन आज तक किसी भी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। सभी खुलेआम घूम रहे हैं। सोमवार को पीड़िता ने आईजी बरेली के कार्यालय में पेश होकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। अहलादपुर चौकी प्रभारी घनश्याम सिंह चौहान ने बताया वह लगातार दबिश दे रहे हैं। पुलिस ने बीती रात्रि दबिश दी है। लेकिन कोई हत्थे नहीं चढ़ा।अब आरोपियों द्वारा पीड़िता के परिजनों पर फैंसला करने का दवाब बनाने लगे। फैसला न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

खण्डेलवाल कॉलेज के एन.सी.सी कैडेट्स ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच
रिठौरा। खंडेलवाल कॉलेज में मंगलवार को एन.सी.सी. कैडेट्स ने नशा मुक्ति अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया ।जिसमें कैडेट्स इल्मा अंसारी, शाहीन चौहान , अम्बिका साहू, खुशबू, निशा आदि ने नशीली दवाओं के सेवन व इससे होने वाले दुरुपयोग के बारे में अवगत

कराते हुए। इसके दुष्परिणाम भी बताएं तथा इससे बचने का आह्वान किया।इस मौके पर महाविद्यालय के महानिदेशक डॉ अमरेश कुमार प्राचार्य डॉ आर. के.सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए ऐसी दीमक है। जो समय से पहले ही जीवन को समाप्त कर देती है। नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्ति न केवल अपनी शारीरिक हानि करता है बल्कि अपने परिवार के साथ-साथ सामाजिक वातावरण को भी दूषित करता है। कार्यक्रम में डॉ कल्पना कटियार , डॉ शिव स्वरूप शर्मा, एन.एस अधिकारी सविता सक्सेना आदि मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट रचना के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

युवक से तमंचा दिखाकर.1.55.लाख की लूट पुलिस बोली घटना संदिग्ध.नहीं दिखा सका सबूत

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद - डॉ संजय कुमार ने बताया कि रंजीत से लूट की घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध है वह बार-बार बयान बदल रहा था बैंक से रुपये निकालने के बारे में कुछ नहीं बता पाया इस मामले में उसने तहरीर भी नहीं दी है
फर्रुखाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में बहनोई के घर जा रहे साले से बाइक सवार बदमाशों ने.1.55.लाख रुपये तमंचे के बल पर लूट लिए जांच में पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है साला पुलिस को बैंक से रुपये निकालने का कोई सबूत नहीं दिखा पाया.जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज गांव नदसिया निवासी रंजीत रविवार को मोहम्मदाबाद कोतवाली के गांव नगला रठौरा बहन प्रीति के घर आ रहा था धीरपुर पखना चौराहे के पास दो बाइकों से आए चार बदमाशों ने रंजीत से तमंचे के बल पर.1.55.लाख रुपये लूट लिए।रंजीत को बाइक पर बैठाकर बदमाशों ने दूर छोड़ दिया बहन के घर पहुंचे रंजीत ने लूट की जानकारी दी बहनोई पिंटू ने पुलिस को सूचना दी जांच करने पहुंची पुलिस को पिंटू ने बताया कि सोमवार को जनपद मैनपुरी में प्लाट का बैनामा करवाना था साला रंजीत इसलिए रुपये देने आ रहा था कई बार बदल चुका है बयान पुलिस ने रंजीत से पूछा कि रुपये उसने कहां से लिए थे रंजीत ने बैंक से रुपये निकालने की बात बताई लेकिन बैंक से रुपये निकालने का कोई सबूत नहीं दिखा पाया उसने कई बार बयान भी बदले यही नहीं पूरी वारदात की कहानी में भी सामंजस्य नहीं दिखता है एसपी बोले लूट की घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध एसपी डॉ संजय कुमार ने बताया कि रंजीत से लूट की घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध है वह बार-बार बयान बदल रहा था बैंक से रुपये निकालने के बारे में कुछ नहीं बता पाया इस मामले में उसने तहरीर भी नहीं दी है फिलहाल घटना की जांच की जा रही है

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन डायरिया नियंत्रण अभियान की शुरुआत-सिविल सर्जन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - डॉ. हितिंदर कौर सिविल सर्जन लुधियाना की देखरेख में स्वास्थ्य विभाग लुधियाना द्वारा 4 जुलाई से 17 जुलाई तक गहन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान के बारे में अधिक जानकारी देते हुए डॉ. हितिंदर कौर ने बताया कि 0-5 साल के बच्चों को घर-घर जाकर ओ.आर.एस. पैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग किया जा सके। इस अभियान में आशा कार्यकर्ता परिवारों को साफ-सफाई रखने, बच्चों के उचित आहार और डायरिया रोगों से बचाव के बारे में भी जागरूक करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि इस पखवाड़े के दौरान डायरिया रोग से बचाव के लिए ओ.आर.एस. इसके अलावा जिंक की गोली लगातार 14 दिनों तक देने पर भी जोर दिया जायेगा. इस अवसर पर आज सिविल अस्पताल लुधियाना में गहन डायरिया

नियंत्रण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मनीषा खन्ना ने कहा कि इस अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता डायरिया रोग से पीड़ित बच्चों की पहचान करेंगी और अधिक बीमार बच्चों को स्वास्थ्य केंद्रों पर रेफर किया जाएगा। इसके अलावा इस पखवाड़े के दौरान ए.एन.एम. सभी उप-केंद्रों, पीएचसी, सीएचसी और सिविल अस्पतालों में ओआरएस/जिंक कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे जहां ओ.आर.एस. घोल बनाने की विधि, जिंक की गोली घोलकर पीने की विधि सिखायी जायेगी तथा आवश्यकतानुसार उपचार भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ए.एन.एम. अपने क्षेत्र में स्थित सभी स्कूलों में डायरिया रोग नियंत्रण के बारे में जागरूकता फैलाई जाएगी और विशेष रूप से हाथ धोने की उचित तकनीक सिखाई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा विभाग एवं आई.सी.डी.एस. इस अभियान में विभाग की विशेष भूमिका रहेगी. संपूर्ण अभियान इन विभागों के सहयोग से ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा। उन्होंने आम जनता से वर्तमान मौसम में अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की अपील की। खुले में शौच करने से बचें। खाने से पहले और शौचालय जाने के बाद साबुन से हाथ धोएं। अधिक पके फल एवं सब्जियों का प्रयोग न करें तथा बासी भोजन का प्रयोग न करें।

राजेपुर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर कन्या जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद - राजेपुर समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर कन्या जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर आरिफ सिद्दीकी के द्वारा की गई संचालन सचिन सिंह बाल संरक्षण विभाग के द्वारा की गई
जिसमें जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव जिला पंचायत सदस्य अजय चौहान व जिला महामंत्री किसान युवा मोर्चा अजित पाण्डे व आलोक गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया जिसमें डॉक्टर आरिफ सिद्दीकी ने बताया है
कि महीने के तीसरे सोमवार को कन्या जन्म महोत्सव मनाया जाएगा व धूमधाम से समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर होगा जो इस महीने में जिन महिलाओं के पहली बार कन्या पैदा हुई है उन्ही 20 महिलाओं को पुरस्कार भी दिया गया आंगनवाड़ी आशाएं मौके पर मौजूद रहे जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता के द्वारा बताया गया है कि बीजेपी सरकार के द्वारा सभी गरीब असहाय व्यक्तियों को लाभ दिया जा रहा है और कन्याओं को भी हर हालत में जन्मोत्सव महीने के तीसरे सोमवार को मनाया जाएगा वहीं पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव के द्वारा कहा गया है
कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के शुभ अवसर पर कन्याओं का जन्म उत्सव हम लोग बड़ी धूमधाम से मनाएंगे जो कि बीजेपी सरकार की महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही हैं

जुबानी जंग : शिवपाल ने कहा- ओमप्रकाश और निषाद हल्के लोग, इनका भरोसा नहीं, अरुण राजभर ने किया पलटवार...

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही गठबंधन को लेकर सियासी दलों के बीच जुबानी जंग भी तेज होती जा रही है। खासकर सपा और सुभासपा के बीच एक दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी से सियासी माहौल गरमा गया है। ताजा मामला सुभासपा के भाजपा के साथ जाने को लेकर चल रही अटकलों को लेकर है।राजनीतिक उलटफेर के दौर में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी अध्यक्ष संजय निषाद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये दोनों नेता हल्के लोग हैं। इनकी बात का कोई भरोसा नहीं है। राजभर के भाजपा में जाने की अटकलों के बीच

शिवपाल सिंह ने दोनों नेताओं पर निशाना साधा। शिवपाल ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद चुनाव आते ही दुकान चलाने लगते हैं। हम ऐसे लोगों से मिलते भी नहीं हैं। उन्होंने बसपा पर निशाना साधा। कहा, कि बसपा भाजपा की बी टीम है। मायावती को भाजपा से डर लगता है। समाजवादियों का इतिहास रहा है कि हम डरते नहीं हैं।क्या बसपा को तोड़ेंगे? पत्रकारों के इस सवाल पर शिवपाल ने कहा कि एक बार तो तोड़ ही चुके हैं। समय आने पर देखा जाएगा। महाराष्ट्र की राजनीति पर सपा नेता बोले कि शरद पवार बिल्कुल नेताजी (मुलायम सिंह) जैसी राजनीति करते हैं। महाराष्ट्र में उनकी जल्द वापसी होगी। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2024 की रणनीति अखिलेश के साथ मिलकर बनाएंगे और भाजपा को उत्तर प्रदेश में हराने का काम करेंगे।

सपा में खुद नहीं हैं शिवपाल की कोई हैसियत- अरुण राजभर

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही गठबंधन को लेकर सियासी दलों के बीच जुबानी जंग भी तेज होती जा रही है। खासकर सपा और सुभासपा के बीच एक दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी से सियासी माहौल गरमा गया है। ताजा मामला सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के भाजपा के साथ जाने को लेकर चल रही अटकलों को लेकर है। इस पर दोनों दलों के नेताओं ने एक दूसरे पर तीखा हमला किया है। सपा महासचिव शिवपाल के बयान पर पलटवार करते हुए सुभसपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण राजभर ने ट्विटर के जरिए कहा कि चाचा शिवपाल की खुद ही सपा में कोई हैसियत नहीं रह गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शिवपाल इतने ताकतवर थे कि अपनी एक पार्टी तो बनाई, लेकिन उसे चला नहीं पाए। बाद में जिस जिस भतीजे ने जलील और अपमानित करते हुए धक्का मारकर भगाया था, फिर भी सपा के साथ चले गए। अरुण ने कहा कि जिस उम्मीद और लालच में चाचा सपा में गए थे, वह उन्हें हासिल नहीं हुआ। भतीजे ने उन्हें उनकी हैसियत बताने के लिए चाचा की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के किसी भी पदाधिकारी को सपा में सम्मान नहीं दिया। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को हल्का बताने वाले शिवपाल को खुद समझना चाहिए कि सपा में वह खुद हल्के हो चुके हैं, जबकि ओपी राजभर की अपनी खुद का वजूद और हैसियत है । लोकसभा चुनाव की तैयारियों के साथ ही गठबंधन को लेकर सियासी दलों के बीच जुबानी जंग भी तेज होती जा रही है। खासकर सपा और सुभासपा के बीच एक दूसरे के खिलाफ तल्ख बयानबाजी से सियासी माहौल गरमा गया है। ताजा मामला सुभासपा के भाजपा के साथ जाने को लेकर चल रही अटकलों को लेकर है।

आर एस मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रबंध समिति की बैठक विद्यालय परिसर में संपन्न हुई

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना - आर एस मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल लुधियाना की प्रबंध समिति की विद्यालय परिसर में संपन्न हुई । इस बैठक में प्रबंध समिति प्रधान राकेश जैन, उप प्रधान विनोद सहगल , महामंत्री विजय स्याल, प्रबंधक ब्यास बैम्बी , कोषाध्यक्ष वैभव सहगल, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ संजीव चंदेल , प्रबंध समिति सदस्यगण, हरकेश मित्तल ,अशोक सूद ,चंद्र गंभीर , ओ पी चोपड़ा , सतनाम सिंह , अनिल गौतम

उपस्थित रहे । बैठक का शुभारंभ गायत्री मंत्र के साथ किया गया ।
इसके बाद प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय की त्रिमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसपर प्रबंध समिति ने उचित संतुष्टि व्यक्त की । प्रबंध समिति अध्यक्ष द्वारा विद्यालय के सर्वांगींण विकास हेतु प्रधानाचार्य को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया गया । विद्यालय प्रबंधक व्यास बैम्बी ने सभी उपस्थित प्रबंध समिति सदस्यों का धन्यवाद किया । बैठक का समापन शांति मंत्र द्वारा किया गया ।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

अयोध्या पहुंचे अखिलेश: बोले मंदिर बनेगा तो आएंगे दर्शन करने, वरुण गांधी को सपा से टिकट मिलने पर तोड़ी चुप्पी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर बनने के बाद वह रामलला के दर्शन जरुर करने आएंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। वह यहां सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय गंगा सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए आए थे।

यहां पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि जो महाराष्ट्र में हुआ, वो नया नहीं है। बीजेपी ये काम किया करती है। भाजपा हमेशा कहती रही है भ्रष्टाचार खत्म होगा। क्या पार्टियों को तोड़ना भ्रष्टाचार नहीं है? विधायकों को पद और पैसे का लाभ दिखाकर उनको उनकी पार्टी से तोड़ लिया जाता है। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है। भाजपा लगातार लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए भाजपा काम करती रहती है। जनता जो जनादेश देती है उसका अपमान करने का काम कोई करता है तो वह है भारतीय जनता पार्टी। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर है। बीजेपी का ध्यान इन बातों में नहीं है। वह जनता को दूसरे मुद्दों पर भटकाया करती है। उन्होंने कहा कि 2024 में सपा और सहयोगी दलों की ऐतिहासिक जीत होगी। वरुण गांधी को सपा के टिकट पर लड़ाने के सवाल पर बोले अखिलेश यादव कि अभी इस पर कुछ नहीं कह सकते। पर जो अच्छा चेहरा होगा सपा उसे लड़ाएगी। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के सवाल अखिलेश ने कहा कि मंदिर का निर्माण होने के बाद वे रामलला का दर्शन जरूर करेंगे।

बदायूं में दो युवतियों की हत्या से सनसनी, तालाब में फेंके गए दोनों के शव; पुलिस जांच में जुटी

बदायूं जनपद के गांव बची झझरऊ के नजदीक मंगलवार शाम दो युवतियों के शव तालाब में मिले। माना जा रहा है कि दोनों की हत्या कर शव तालाब में फेंके गए हैं। युवतियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। बदायूं के उसहैत थाना क्षेत्र के गांव बची झझरऊ के नजदीक मंगलवार शाम दो युवतियों के शव तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर एसएसपी डॉ. ओपी सिंह समेत सभी पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आसपास गांव के तमाम लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों युवतियों के शव तालाब से बाहर निकलवाए। दोनों युवतियां सलवार सूट पहने हैं। उनकी उम्र करीब 22 से 26 साल के बीच बताई जा रही है। दोनों युवतियां प्रथम दृष्टतया अविवाहित प्रतीत हो रही हैं।

अभी उनकी पहचान नहीं हो पाई है।पुलिस ने मोर्चरी में रखवाए शव -फिलहाल दोनों शव पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। थाना पुलिस आसपास के लोगों से उनके बारे में जानकारी जुटा रही है। माना जा रहा है कि दोनों युवतियों की किसी दूसरे स्थान पर हत्या की गई है। सोमवार रात उनके शव बची गांव को जाने वाले रास्ते किनारे तालाब में फेंक दिए गए हैं। एसएसपी डॉ. ओपी सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। इसके लिए एसओजी को भी लगाया गया है। पहले मृतकों की शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है।

झांसी में बड़ा हादसा: अन्नपूर्णा देवी मंदिर से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस डंपर से भिड़ी, एक की मौत; 16 घायल

लिस ने लोगों की सहायता से घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां पर मनोज राजपूत को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि 16 श्रद्धालु घायल हैं।कानपुर हाइवे पर चिरगांव के सेसा गांव के पास मंगलवार सुबह भीषण हादसा हो गया। एरच स्थित अन्नपूर्णा देवी मंदिर से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस और डंपर की जोरदार भिड़ंत हो गई। इसमें एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 16 श्रद्धालु घायल हो गए। इनको मोंठ सीएचसी से झांसी रेफर कर दिया गया। यहां चार की हालत नाजुक बनी हुई है। बड़ागांव थाना क्षेत्र के रनगुवां गांव निवासी मनोज राजपूत (32) पुत्र थान सिंह झांसी में शिवाजी नगर में किराए पर रहता था। उसके मकान मालिक की फैमिली अन्नपूर्णा माता मंदिर के टूर पर जा रही थी। इसलिए मनोज भी अपनी फैमिली के साथ टूर पर चला गया। बस में 50 श्रद्धालु सवार थे। लौटते वक्त श्रद्धालु अपने घर पर उतरते चले गए। एरच में श्रद्धालुओं के उतरने के बाद बस में 20 यात्री सवार थे। मंगलवार सुबह पूंछ थाना क्षेत्र के सेसा गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक और बस की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद बस में सवार श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की सहायता से घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां पर मनोज राजपूत को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि 16 श्रद्धालु घायल हैं। बस में मनोज की पत्नी बसंती भी सवार थी। हादसे में पति की मौत होने पर बसंती का रो रोकर बुरा हाल है। उनकी शादी 10 साल पहले हुई थी। मनोज का एक बेटा और एक बेटी है। झांसी में मजदूरी करके मनोज अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है।

मध्य प्रदेश में नरेंद्र सिंह तोमर पर दांव लगा सकती है भाजपा, बन सकते हैं प्रदेश अध्यक्ष

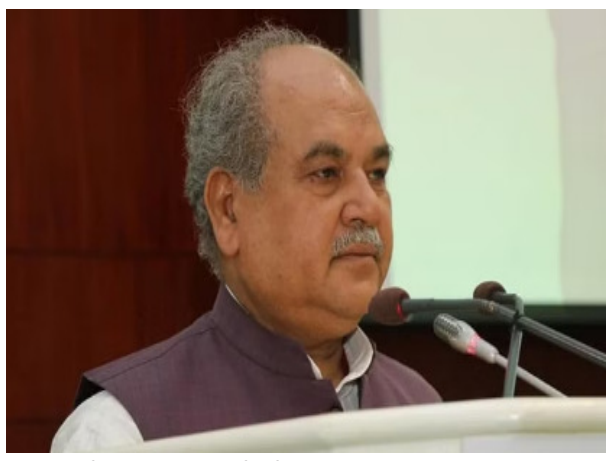

भाजपा ने चुनावी राज्यों में जिस तरह प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं, उससे साफ है कि मध्य प्रदेश में भी सांसद वीडी शर्मा की जगह किसी और को जिम्मेदारी दे सकती है। एक बार फिर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह तोमर की जोड़ी पर दांव लगाया जा सकता है।भाजपा ने चुनावी राज्यों में जिस तरह प्रदेश अध्यक्ष बदले हैं, उससे साफ है कि मध्य प्रदेश में भी सांसद वीडी शर्मा की जगह किसी और को जिम्मेदारी दे सकती है। एक बार फिर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह तोमर की जोड़ी पर दांव लगाया जा सकता है। एक-दो दिन में तय हो जाएगा कि भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई का अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी सूत्रों का कहना है कि 2008 और 2013 में चुनावों के समय नरेंद्र सिंह तोमर ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। दोनों ही बार पार्टी तमाम चुनौतियों को पार कर सत्ता में लौटी थी। 2013 में तो पहले से अधिक विधायकों के साथ शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने थे। शिवराज-नरेंद्र की जोड़ी पहले भी सफलता के साथ परिणाम दे चुकी है, ऐसे में इसी जोड़ी पर पार्टी का जोर रहेगा। इसकी दो-तीन मुख्य वजहें बताई जा रही हैं। तोमर कई राज्यों में चुनाव प्रभारी भी रह चुके हैं। उनके पास अच्छा-खासा अनुभव है। इसका फायदा भाजपा उठाना चाहती है। 2018 में भाजपा मध्य प्रदेश में हार का स्वाद चख चुकी है और यह वह दोबारा नहीं होने देना चाहती। 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया का साथ मिलने पर शिवराज सत्ता में लौटे जरूर, लेकिन संगठनात्मक सर्वे में पार्टी की स्थिति अच्छी नहीं बताई जा रही है।, तेलंगाना की तर्ज पर केंद्रीय मंत्री को जिम्मेदारी- तेलंगाना में भाजपा ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इससे इन कयासों को बल मिल गया है कि नरेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश की बागड़ोर सौंपी जा सकती है। यदि तोमर को यह पद दिया गया तो मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। पार्टी इस साल हो रहे विधानसभा चुनावों को 2024 के लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के तौर पर देख रही है। यदि वीडी शर्मा को हटाते हैं तो उन्हें केंद्र में जिम्मेदारी दी जा सकती है। उनके स्थान पर पार्टी चुनावी गणित के हिसाब से जातीय कार्ड खेल सकती है। मप्र के दो-तीन मंत्रियों को ड्रॉप करने की अटकलें भी हैं। महाकौशल से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है। जबलपुर से तीन बार के सांसद राकेश सिंह भी टीम मोदी में शामिल हो सकते हैं। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी को भी मोदी अपनी टीम में शामिल कर सकते हैं। तोमर के पक्ष में - तीसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं तोमर, शिवराज के साथ उनके अच्छे संबंध हैं - 2008 और 2013 में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए भाजपा सत्ता में लौटी थी - सत्ता और संगठन में तालमेल बेहतर रहेगा। पहले भी उन्होंने यह कर दिखाया है - जमीनी स्तर के नेता हैं। पूरे राज्य के राजनीतिक हालात पर उनकी अच्छी पकड़ है द्व- तोमर बड़े नेताओं में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। असंतोष भी थाम सकते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

लोकसभा चुनाव: ये ट्रिक्स आजमाकर चुनाव जीतेगी कांग्रेस, तीन श्रेणी में बांटी जाएंगी यूपी की 80 सीटें

कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। 80 सीटों वाले यूपी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। हर सीट के लिए पार्टी की रणनीति अलग है।कांग्रेस ने प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में जुटे विधानसभा चुनाव 2022 के उम्मीदवारों ने बूथवार फीडबैक दिया। उनके फीडबैक के आधार पर अब 80 सीटों को तीन श्रेणी में बांटा जाएगा। जातीय समीकरण के आधार पर उम्मीदवारों का पैनल तैयार कर शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा।प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की अध्यक्षता में हुई विधानसभा उम्मीदवारों की बैठक में सियासी रणनीति भी तैयार की गई। प्रत्याशियों ने पूरे दमखम से चुनाव लड़ने का संदेश दिया। अपने क्षेत्र में बूथवार मिले वोट का विवरण देते हुए जातीय गणित भी समझाया।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि करीब 300 से ज्यादा उम्मीदवारों ने इस बैठक में हिस्सा लिया। जिन विधानसभा क्षेत्र में बूथों पर सबसे कम वोट मिले हैं, उसकी वजह पर भी चर्चा हुई। प्रत्याशियों ने समझाया कि जिन लोगों ने चुनाव हारने के बाद भी लगातार क्षेत्र में समय दिया है, उनके इलाके में कांग्रेस की हालत बदली है। विभिन्न दलों को छोड़कर नेताओ ने कांग्रेस का हाथ थामा है। इस दौरान तय किया गया कि प्रदेश की 80 सीटों को तीन श्रेणी में बांटकर वोटबैंक, जातीय समीकरण और उम्मीदवारों का पैनल तैयार किया जाएगा। स रिपोर्ट को कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को भेजा जाएगा। रिपोर्ट भेजने से पहले प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी खुद प्रथम श्रेणी की लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। स्थलीय दौरा करके लोकसभा क्षेत्र से आने वाली रिपोर्ट का सत्यापन करेंगे, ताकि गठबंधन की नौबत आए तो ए श्रेणी की सीटें किसी भी कीमत पर न छोड़ी जाएं।

धीरेंद्र शास्त्री पर ऐसी टिप्पणी कर बैठा युवक, मिली ऐसी सजा; बोला- अब नहीं होगी गलती

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री पर एक युवक ने अभद्र टिप्पणी कर दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद आरोपी युवक की ऐसी हालत कर दी गई कि उसे माफी मांगनी पड़ी। आगरा में बागेश्वर धाम सरकार के महंत धीरेंद्र शास्त्री पर एक युवक ने अभद्र टिप्पणी कर दी। उसने कुछ ऐसा कहा कि गांव का हर व्यक्ति सकते में आ गया। मंगलवार को गुरु पूर्णिमा पर्व था।

लोग अपने-अपने गुरुओं की पूजा कर रहे थे। उनसे आशीर्वाद ले रहे थे मगर गांव के एक युवक ने धीरेंद्र शास्त्री को लेकर कुछ ऐसा बोल दिया कि ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।यहां का है मामला- प्रकरण आगरा के थाना अछनेरा के गांव जनूथा का है। स्थानीय निवासी युवक संदीप ने बुधवार को बागेश्वर धाम सरकार के महंत पं. धीरेंद्र शास्त्री के व्यक्तिगत जीवन पर ऐसी टिप्पणी कर दी जो लोगों को नागवार गुजरी। बताया गया है कि गांव जनूथा के युवक संदीप द्वारा मंगलवार को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही महाकाल यूथ बिग्रेड के कार्यकताओं ने युवक को पहचान लिया और संदीप को गांव में ही ढूंढकर पकड़ लिया।

मांगी माफी

जब अभद्र टिप्पणी करने के बारे में पूछा तो वह अकड़ने लगा, जिसे देख महाकाल यूथ बिग्रेड के कार्यकर्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। अभद्र टिप्पणी करने वाले की जमकर धुनाई लगाई। संदीप ने माफी मांगते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं करेगा। किसी भी धर्म के बारे कोई भी टिप्पणी भी नहीं करेगा।ये था विवादित बयान-आरोपी युवक संदीप ने धीरेंद्र शास्त्री का फोटो लगाकर भीम आर्मी के चंद्रशेखर रावण को उनका बाप (पिता) कह दिया और ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

दिल्ली सेवा अध्यादेश पर केंद्र-एलजी को नोटिस जारी, DERC चेयरमैन के शपथग्रहण पर हफ्तेभर की रोक

इससे पहले अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। दिल्ली सरकार ने कहा था कि केंद्र सरकार का अध्यादेश असंवैधानिक है। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग मामले में लाए गए अध्यादेश की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर आज सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल को नोटिस जारी किया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने दिल्ली बिजली नियामक आयोग (डीईआरसी) के चेयरमैन के तौर पर रिटायर्ड जस्टिस उमेश कुमार के शपथग्रहण पर भी 11 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मामले पर सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख मुकर्रर की और केंद्र तथा अन्य से सुनवाई से एक दिन पहले अपने जवाब दाखिल करने को कहा।एलजी ने दिया था 10 बजे तक शपथ दिलाने का निर्देश-उपराज्यपाल वीके सक्सेना के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के नामित अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) उमेश कुमार को मंगलवार सुबह 10 बजे तक शपथ दिलाने का निर्देश देने के बावजूद उन्हें शपथ नहीं दिलाई गई। दिल्ली की विद्युत मंत्री आतिशी कुमार को पद की शपथ दिलाने वाली थीं, लेकिन अचानक उन्हें कुछ ''स्वास्थ्य संबंधी'' समस्याएं होने के कारण कार्यक्रम छह जुलाई तक के लिए टाल दिया गया।अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने लगाई याचिका-गौरतलब है कि अफसरों की ट्रांसफर पोस्टिंग मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। दिल्ली सरकार ने कहा था कि केंद्र सरकार का अध्यादेश असंवैधानिक है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आप सरकार ने केंद्र सरकार के अध्यादेश पर तुरंत रोक लगाने की मांग की गई।

अब तक क्या-क्या हुआ?

पहले दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग उप-राज्यपाल करते थे। इसके खिलाफ दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार दिल्ली सरकार को दे दिया। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ- अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया। इस अध्यादेश के बाद सुप्रीम कोर्ट का आदेश निष्क्रिय हो गया। केजरीवाल की सरकार इस अध्यादेश का विरोध कर रही है।

This veteran will become the head coach of Team India! Has scored more than 14 thousand runs, will replace Powar

In December last year, Romesh Powar was removed from the post of head coach. Since then this post is vacant. Majumdar could never play for India, but he has more than 14,000 runs in domestic cricket. Veteran cricketer Amol Majumdar is all set to become the head coach of the Indian women's team. On Monday, the Cricket Advisory Committee (CAC) interviewed the shortlisted candidates in Mumbai. According to media reports, Majumdar has impressed CAC members Ashok Malhotra, Jatin Pranjpe and Sulakshana Naik with his 90-minute

presentation in this interview. Apart from Majumdar, those interviewed included Durham coach John Lewis and Tushar Arothe. Arothe has previously been the head coach of the women's team. He resigned from this post in 2018. The Indian women's team is to tour Bangladesh this month. BCCI wants to appoint the coach of Team India before that. In December last year, Romesh Powar was removed from the post of head coach. Since then this post is vacant. Majumdar could never play for India, but he has more than 14 thousand runs in domestic cricket. CAC members happy with Majumdar's presentation A BCCI official said, "The CAC was most impressed by Amol's presentation. Majumdar was very clear about his plans for the women's team. Other presentations were also good, but Majumdar's was the best. He will be recommended for the post." Majumdar has also been the head coach of the Mumbai Ranji team and has worked with IPL franchise Rajasthan Royals and the South African national team. He was the only person who personally appeared before the CAC during the interview. If Majumdar is selected as the head coach, his first assignment will be the Bangladesh tour starting July 9. The Indian women's team will play three T20Is and as many ODIs in Mirpur. Team India has lost some important matches in the last five years despite being in a good position. Also, no one has won the World Cup yet. Mazumdar's contract may be for two years. It is believed that Majumdar is likely to get a two-year contract. During this, he will be expected to lead Team India to the World Cup title in Bangladesh next year. Next year, the T20 World Cup will be played in Bangladesh in September-October. Earlier this year, Team India lost in the semi-finals of the T20 World Cup against Australia despite being in a winning position.

Keeping in mind the Indian team's inability to end knock-out matches on a positive note, the new head coach's job will be to improve the physical fitness of the players apart from working on their mental toughness. Clear information- The board official said, "Majumdar is fully aware of what this team needs to do to reach the next level. This also includes improving the fitness of the players of the women's cricket team. Some of the players of the national team really needs to work on her fitness. Majumdar also stressed on the need for a mental trainer and other support staff. The next two ICC tournaments for women's cricket are in the Indian subcontinent. This is also in Majumdar's favour. ODI World Cup to be held in India in 2025 – Apart from the T20 World Cup in Bangladesh next year, India will host the Women's ODI World Cup in September 2025. The BCCI official said, "Majumdar has a lot of experience of playing in the conditions of the Indian subcontinent. Majumdar scored 11,167 runs in first-class cricket in 171 matches at an average of 48.13. At the same time, in List-A, he scored 3286 runs in 113 matches at an average of 38.20. Majumdar scored 174 runs in 14 T20 matches. However, despite scoring so many runs, he could never make it to the Indian team. Majumdar has scored 30 centuries, 60 half-centuries in First Class, three centuries in List-A, 26 half-centuries and one half-century in T20.

'Keep an eye on him', Ganguly gave special advice to BCCI regarding this spinner for the World Cup

Ganguly feels that India have some other good wrist spinners like Kuldeep Yadav and Ravi Bishnoi but Chahal could be the key for Team India in the World Cup. BCCI and team management have advised to keep an eye on experienced leg-spinner Yuzvendra Chahal. Chahal was part of Team India for the T20 World Cup held in Australia last year, but did not get to play a single match. The Indian team was eliminated after losing to England in the semi-finals. Ganguly feels that India have some other good wrist spinners like Kuldeep Yadav and Ravi Bishnoi but Chahal can be the key for Team India in the World Cup.Ganguly explains the importance of wrist spinners - Ganguly in an interview Said during – Bishnoi and Kuldeep are good spinners, but Chahal misses out on playing in a big tournament. He has been a consistent performer in the shorter formats of cricket, be it 20 overs or 50 overs. It is important to keep an eye on them. Ganguly also said that SENA countries ie South Africa, England, New Zealand and Australia find it difficult to play wrist spinners. Especially when the match is in Indian conditions, it becomes more difficult for them. 'Piyush Chawla was the X-factor in 2011' - Ganguly said - When you play against Australia, England or South Africa, a wrist spinner can make a difference in these conditions. Piyush Chawla in the 2011 ODI World Cup. He bowled well. The former BCCI president also emphasized that whenever spinners have taken wickets in the World Cup, India have done well in the tournament. 'Harbhajan bowled brilliantly in 2007' - He said, "When we went to South Africa to play the T20 World Cup in 2007, our wrist spinners bowled well in tandem with the fast bowlers. Was in. I think it will be very important to have a wrist spinner in Indian conditions. India will start their World Cup campaign against Australia on October 8 in Chennai. Whereas, the great match between India and Pakistan will be held on October 15 at Narender Stadium in Ahmedabad. Will be played at Modi Stadium.

Pakistani veteran's bigotry, said about the World Cup match - Indian bowling is weak, there is no danger from it

Saeed Ajmal has said that the Pakistan team is favorite to win the tournament. He feels that the Indian bowling will not be able to challenge the Pakistani batsmen at all. A great match will be played between India and Pakistan on 15 October. There is curiosity among the fans for this match to be held in the World Cup. This match between India and Pakistan will be played at the Narendra Modi Stadium, the largest ground in the world. The rhetorical phase has already started for this match. In this episode, former Pakistan spinner Saeed Ajmal has given a big statement. He believes that the Pakistan team is favorite to win the tournament. Ajmal feels that the Indian bowling will not be able to challenge the Pakistani batsmen at all. They feel Indian bowling is weak. What did Saeed Ajmal say?Speaking in a podcast, Ajmal said that Indian bowling has never been as sharp as Pakistan's. He said- India's bowling lineup has always been weak. In the recent past, only Siraj has bowled very well. Shami is also bowling well. Among the spinners, I think Ravindra Jadeja will be key in the World Cup. Jasprit Bumrah could have been a threat for Pakistan, but he has been unfit for a long time. In such a situation, I do not think that India's bowling will be much of a threat to Pakistan. 'Pakistan has 60 percent chances of winning the match' - Ajmal while predicting the India-Pakistan World Cup match said that his team's chances of winning are 60 percent. . Ajmal said- India's batting has always been strong. Our bowling is dangerous. It will be a fight of equals. At the moment I would say that there is a 60% chance of Pakistan winning. Pakistan team is the favorite team to win the world cup. Given the Indian conditions and the bowlers that Pakistan has, if our team restricts India to a low score, then Pakistan will win. Pakistan's record against India in the World Cup is bad- Talking about the record, Pakistan has never been able to defeat India in the ODI World Cup match. Both the teams have faced each other seven times in total and all these matches have ended in favor of India. The last time both the teams came face to face in the 2019 World Cup, India won the match by 89 runs using the Duckworth-Lewis method. In the match played at Old Trafford, Team India scored 336 runs losing five wickets in 50 overs. Captain Rohit Sharma scored 140 and Captain Virat Kohli scored 77 runs. KL Rahul had scored 57 runs. In the 2019 World Cup, Pakistan was defeated by 89 runs. In response, Pakistan's team could only manage 212 runs for six wickets in 40 overs. Fakhar Zaman scored 62 runs and Babar Azam scored 48 runs. Imad Wasim remained unbeaten after scoring 46 runs. For India, Vijay Shankar, Hardik Pandya and Kuldeep Yadav took two wickets each. Talking about the overall record, India-Pakistan teams have clashed 132 times in ODIs. Out of this, India has won 55 matches and Pakistan has won 73 matches. No result could be found in four matches.

Urfi angry at Manisha Rani for 'forcibly kissing' Abdu Rojik, said – he is not a child

'Bigg Boss', which has entered the world of OTT after coming out of TV, is in constant headlines these days. In 'Bigg Boss OTT 2' hosted by Salman Khan, every day some or the other ruckus happens, which makes headlines in the media. In its third week, 'Bigg Boss OTT 2' saw world's youngest singer Abdu Rojik take a boor guest entry, which left the audience as well as the contestants very excited. But it seems Manisha Rani got a little too

excited with the arrival of Abdu and did something like this, due to which she has come under fire from Urfi Javed. Fashion icon and social media star Urfi Javed keeps reprimanding someone or the other, but this time her target was 'Bigg Boss OTT 2' contestant Manisha Rani. In fact, this week in 'Bigg Boss OTT 2', Abdu Rojik entered the house as a special guest and did a task with the contestants. Abdu selected four people from all the contestants with whom he had to make short dance videos. Abdu selected Manisha Rani, Zaid Hadid, Avinash Sachdev and Jia Shankar for this task. While he was making the video with Manisha, the contestant tried to kiss Abdu several times, which made him uncomfortable. The incident which happened during the task not only made Abdu uncomfortable but also enraged the audience. However, the one person who got angry the most was Urfi Javed, known for her weird fashion sense. The actress has strongly criticized Manisha Rani for her treatment of Abdu. The social media sensation shared a screenshot of the episode on her Instagram stories and wrote, 'It was very uncomfortable to watch. Why was she kissing him forcibly? He is not a child. Stay in limits people.'Earlier, Urfi Javed had praised Pooja Bhatt for voicing her opinion against Zaid Hadid. This was when Zaid called Akanksha Puri a 'bad kisser' after a kiss during a task. Urfi had tweeted, 'To be honest Pooja Bhatt is a very classy and iconic actress, the way Zaid reprimanded her for calling Akansha a bad kisser after enjoying the kiss. They are amazing!!! Strong, forthright, well behaved. It is clear from this that Urfi Javed watches the show 'Bigg Boss OTT 2' continuously. Urfi Javed also participated as a contestant in the first season of this show which aired on 'Voot'. Urfi was definitely a part of the first season of Bigg Boss OTT hosted by Karan Johar in the year 2021, but she was soon evicted from the show. The first season of this show was won by Divya Aggarwal by defeating Prateek Sahajpal, Nishant.

'Your segment is the weakest in Lust Stories 2', Sujoy Ghosh won hearts on troll's comment

'Lust Stories 2', released on Netflix recently, has been produced by four famous directors of Bollywood. These include the names of Konkona Sen Sharma, R Balki, Sujoy Ghosh and Amit Ravindranath Sharma. Along with the bold content of the film, one thing which is being discussed in full swing on social media is Tamannaah and Vijay Varma's chemistry.

The segment featuring the pair's romance in the film is directed by Sujoy Ghosh. While on one hand people are praising this segment which brings Tamanna and Vijay together, there are others who are criticizing it badly. Sujoy Ghosh hit back at one of these trolls, which is currently going viral. Tamannaah Bhatia and Vijay Varma-starrer 'Lust Stories 2', directed by Sujoy Ghosh, has released on Netflix. Last day, Sujoy Ghosh responded to a Twitter user who described 'Lust Stories 2' as 'the weakest' on Twitter. The director had tweeted on the previous day, 'Have you guys seen Lust Stories 2 yet? If not then go.. go take advantage of Sunday. While Sujoy was trying to promote the film, he found it overwhelming to do so. Some Twitter users started trolling Sujoy Ghosh by saying that his story was the weakest in the film. To this tweet by Sujoy Ghosh, a social media user replied, 'The weakest story of Lust Stories 2 is your section. what kind of story was that? I had utmost respect for you as a director, but after seeing this….' Responding to this tweet, the director won everyone's heart, but where were the trolls going to believe even then. Responding to the tweet, he wrote, "Next time... go watch Konkona ki once again..." To which the social media user replied, "That story is at least better than yours sir." To which the director said, 'I agree.' The social media user further said, 'I still can't believe that you are the one who directed such an excellent film like Kahaani.' Let us tell you, everyone liked the story of Konkona Sen Sharma the most in this film. Has been Along with the story of his segment of the film, the direction is also being praised. Meanwhile, in a recent interview, Konkona revealed the inspiration behind directing this film and what made her excited to return as a director after seven years. She said, 'I wanted to create something interesting around lust. So I was thinking from a mother's point of view, from the point of view, or from the point of view of being seen. Then at a dinner party, I met a friend who told me how it was that his wife was having sex in his house. Talking about 'Lust Stories 2', it is an anthology film, directed by Amit Sharma, R Balki, Konkona Sen Sharma and Sujoy Ghosh. Apart from Vijay Verma and Tamannaah Bhatia, the film also stars Kajol, Mrunal Thakur, Angad Bedi, Amrita Shubhash, Tilottama Shome, Neena Gupta and Kumud Mishra. The film is currently streaming on 'Netflix'.

Ameesha Patel regretted her relationship with Vikram Bhatt, said- I felt like this for 12-13 years...

Ameesha Patel is in headlines these days for her upcoming film Gadar 2. Ameesha is in a lot of discussion about the character of Sakina in this film. Amisha Patel has also played the role of Sakina in Gadar opposite Sunny Deol. Ameesha is also in discussion about her personal life. The actress' relationship with filmmaker Vikram Bhatt has been much talked about. Now after many years the actress herself has discussed about her relationship with Vikram Bhatt. Ameesha Patel met Vikram Bhatt during the film Aap Mujhe Achhe Lagne Lage. At that time Vikram Bhatt was married but after some time of friendship, Ameesha had fallen in love with him. Vikram Bhatt was older than Ameesha at that time. Both of them dated each other for about five years and their relationship did not last, later both of them separated. Now Ameesha Patel has broken the silence on her relationship with Vikram Bhatt. He said, only two relationships that I had made had an impact on my career. After this, for 12-13 years I felt that no one is needed anymore. I just want peace, I don't want anything else in my life. Ameesha Patel further added, 'A girl being single means more to the people you work with. They feel that if you are dating someone in the industry then it is beneficial for your career. This was not the case for me, it has hurt me, but I have learned from it. On the other hand, regarding this relationship, Vikram Bhatt said that I do not think that Ameesha has ever loved each other. Ameesha had her own problems with her parents. We've had times in our lives when we were going through a down time in our careers, and we were just good friends.